

B.A-I Psychology Subsidiary

Teacher - A.K. Sinha

Topic - Types of Intelligence Test पृष्ठ - 7

(29) सामूहिक वाचिक परीक्षण (Group Verbal Intelligence Test) :-

चूंकि व्यापक बुद्धि परीक्षणों में बहुसंख्यक में बुद्धि परीक्षण में काफी समय की बर्बादी होती है इसलिए मनोवैज्ञानिकों द्वारा यह महसूस किया गया कि कम समय में अधिक से अधिक लोगों को बुद्धि की जांच के लिए बुद्धि परीक्षणों का निर्माण करना चाहिए जिनसे कम समय में अधिक व्यक्तियों की जांच या परीक्षण किया जा सके, परीक्षण स्वरूप जिनके सामूहिक वाचिक बुद्धि परीक्षणों का निर्माण किया गया। एवं यहाँ उनका उपयोग प्रथम विश्वयुद्ध में सैनिकों के करने के लिए किया गया। बाद में विद्यालयों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के प्रवेश के लिए तथा निवारणियों के शैक्षणिक प्रगति जांच करने के लिए सामूहिक वाचिक बुद्धि परीक्षणों का उपयोग किया जाने लगा। सामूहिक वाचिक बुद्धि परीक्षण प्रमुख निम्नलिखित हैं:-

- (i) Army Alpha Test,
- (ii) Naval General Classification Test (NGCT) तथा Army General Classification Test (AGCT),
- (iii) Dr. Mohsin General Intelligence Test or Brightness
- (iv) Dr. Singh's General Intelligence Test of Battery.

उपर्युक्त परीक्षणों के अलावे भी अनेक सामूहिक बुद्धि परीक्षणों का निर्माण किया गया। जैसे:-

Otis Self Administering Test of Mental Ability (Otis SATMA)। इस Test का उपयोग व्यवसाय तथा उद्योगों में योग्य व्यक्तियों के चुनाव करने के लिए किया जाता है। यह एक छोटा सा चार पृष्ठों का कागज-पेंसिल परीक्षण है। इसके लिए विश्व बड़ी कीमती आवश्यकता होती है। कुछ सामूहिक वाचिक बुद्धि परीक्षणों का निर्माण उच्च शिक्षा में प्रवेश करने वाले छात्रों की योग्यता शीघ्र पृष्ठ - 8 पर

संग अभिवृत्ति के आधार पर यमन के लिए किमा
जमा। जैसे :- Scholastic Aptitude Test (SAT)
इसके अलावा भी विकिसा, अभिगंयण नकाकुषि
आदि से सम्बन्ध अभिवृत्ति परीक्षा भी आयकण-
उपलब्ध हैं जिन्का उपयोग अधिकाधिक हो
रहा है।

१. क्रियात्मक बुद्धि परीक्षा (Performance Intelligence
Test) :- क्रियात्मक बुद्धि परीक्षा, वाचिक
बुद्धि परीक्षा के उस क्षेत्र को इरफाता है कि
वाचिक बुद्धि परीक्षाओं का उपयोग केवल पढ़े-
लिपे समाधि पर किमा जा सकता है अथवा पा
पढी। क्रियात्मक बुद्धि परीक्षाओं द्वारा अलपठ
व्यक्ति के बुद्धि की जाँच ली होती है जलन हीनक
इसके द्वारा पढे लिखे जा हाकर व्यक्तियों की बुद्धि
की जाँच की जा सकती है। इसलिए यह ज्यादा
उपयोगी प्रतीत होता है। क्रियात्मक बुद्धि परीक्षाओं
की भी वाचिक बुद्धि परीक्षा की तरह ही
निम्नांकित प्रयोगों द्वारा गमा है। :-

- (क) व्याकृगत क्रियात्मक बुद्धि परीक्षा नमा
- (ख) सामुहिक क्रियात्मक बुद्धि परीक्षा
- (ग) व्याकृगत क्रियात्मक बुद्धि-परीक्षा :-
व्याकृगत क्रियात्मक बुद्धि-परीक्षाओं में निम्नांकित
परीक्षा प्रमुख हैं :-

- (i) Pintur - Peterson Performance Scale,
- (ii) Alexander Performance Test of Battery,
इसके sub-Test - (a) Pass Along Test,
(b) Block Design Test,
(c) and Cube construction Test - है।
- (iii) Porteus Maze Test
- (iv) Form-Board Test
- (v) Wechsler-Bellevue Test
- (vi) Picture competition Test आदि। शेष पृष्ठ-9 पर।

अर्धवृत्त लोडिंग क्रियात्मक परीक्षणों का, प्रयोगशाला में उपलब्ध संसाधनों तथा SE-pan, stop watch, रियल materialy तथा प्रयोगशाला के प्रयत्न के आधार पर कुछ धीमा तक सामुद्रिक रूप से भी उपयोग किया जा सकता है। परन्तु अधिकाधिक लोडिंगों की बृद्धि की जाँच का समय में इन क्रियात्मक बृद्धि परीक्षणों द्वारा नहीं किया जा सकता है।

(ख) सामुद्रिक क्रियात्मक बृद्धि परीक्षण :-

सामुद्रिक क्रियात्मक बृद्धि परीक्षण में Arranby Beta Test का नाम मुख्य रूप से जाना है। इसका निर्माण श्री प्रभात विश्वविद्यालय के नाद अनपदी को सेना में कार्य करने हेतु सामुद्रिक रूप से बृद्धि की जाँच के लिए किया गया। जिसके आधार पर कम समय में अधिकाधिक लोडिंगों की बृद्धि की जाँच की जाती है। इस परीक्षण का निर्माण श्री Arranby Beta Test के सहकारीय द्वारा।

उपर्युक्त बृद्धि परीक्षणों के अलावा भी भारतवर्ष में भी कुछ प्रमुख बृद्धि परीक्षणों का निर्माण किया गया है। - 1922 में लाहौर में Herbert Rice द्वारा निर्मित Hindustani Binet Performance Point Scale (HBPPS), J. Menry का मौखिक बृद्धि परीक्षण (1927), V.V. Kamat का बृद्धि परीक्षण कराही तथा कर्णाट तथा में निर्मित, Sohan Lal ने 1942 में एक बृद्धि परीक्षण का निर्माण किया, 1951 में इ.स. Talote द्वारा निर्मित बृद्धि परीक्षण, 1953 में C.M. Bhatia द्वारा निर्मित बृद्धि-परीक्षण, 1954 में इ.म. Mohsin द्वारा निर्मित सामान्य कार्मिक बृद्धि-परीक्षण 1966 में Long & Mehta द्वारा निर्मित बृद्धि परीक्षण तथा 1968 में Dr. Ram Narush Singh द्वारा निर्मित VANART बृद्धि परीक्षणों का नाम उपलब्ध है।